7/01/2022 — Management Prin. III

Page No. 1

Q. नेतृत्व का अर्थ, परिभाषा
Concept of Leadership and Define this.

Ans. नेतृत्व क्षमता व गुण है जो अन्य व्यक्ति की क्रियाओं को निर्देशित करता है। यह व्यक्तित्व का एक मौलिक गुण है। यह समूह के व्यक्तियों के व्यवहारों को प्रभावित करने की योग्यता है। नेतृत्व नवीन दिशा में परिवर्तन लाने का कारण है। प्रारम्भ में माना जाता रहा है कि किसी नेता में कुछ विशेष गुण होते हैं जिनके कारण वह नेतृत्व कर पाता है। प्रारम्भ में आम धारणा थी कि बुद्धिमान, प्रखर कल्पना, काम के प्रति लगातार आग्रह, सन्तुलित मन आदि कुछ गुण नेता में होने आवश्यक हैं जिस व्यक्ति में यह गुण पाये जाते हैं वह नेतृत्व कर सकता है और यदि उसे प्रशिक्षित कर दिया जाये तो वह व्यक्ति और भी प्रभावी नेतृत्व हो सकता है। नेतृत्व के साथ निम्न गुणों का धनात्मक सम्बन्ध पाया जाता है।

(1) अगुवाई करना (2) सामाजिक कार्य में लगे रहना (3) परिस्थितियों के अनुरूप ढलना (4) ख्याति (5) मेधाशक्ति (6) लोकप्रियता (7) आत्मविश्वास (8) सहयोग करना (9) दूर दृष्टि (10) ~~शारीरिक विशेष~~

नेतृत्व की परिभाषा

(1) जॉर्ज आर. टैरी ने नेतृत्व को उस योग्यता के रूप में परिभाषित किया है जो उद्देश्यों के लिए स्वेच्छा से कार्य करने हेतु प्रभावित करता है।

(2) लिविंगस्टन के अनुसार, नेतृत्व से आशय उस योग्यता से है जो अन्य लोगों में एक सामाजिक उद्देश्य का अनुसरण करने की इच्छा जाग्रत करती है।

(3) कूंट्ज - नेतृत्व को एक ऐसी योग्यता मानते हैं जो व्यक्तियों को नेता द्वारा अपेक्षित विधि के अनुसार कार्य करने के लिए प्रेरित करती है।

(4) जॉन जी ग्लोवर, नेतृत्व को प्रबन्ध का वह महत्वपूर्ण पक्ष मानते हैं जो उस योग्यता, सृजनशीलता, प्रबल शक्ति तथा सहानुभूति को प्रकट करता है जिसकी सहायता से संगठन प्रक्रिया में मनोबल का निर्माण करके लोगों का विश्वास, सहयोग एवं कार्य करने की तत्परता प्राप्त की जाती है।

(5) आर्डवे टीड के अनुसार - "नेतृत्व उन गुणों के संयोग का नाम है जिनको रखने पर कोई व्यक्ति अन्य व्यक्तियों से काम लेने के योग्य होता है, विशेषकर उसके प्रभाव

द्वारा अन्य लोग स्वेच्छा से कार्य करने के लिए तैयार हो जाते हैं।"

(6) जार्ज आर० टैरी के अनुसार - "नेतृत्व शक्तियों को पारस्परिक उद्देश्यों के लिए स्वैच्छिक प्रयत्न करने हेतु प्रभावित करने की योग्यता है।" नेतृत्व का अर्थ है अधीनस्थ को निश्चित उद्देश्यों की प्राप्ति की दिशा में सार्थक ढंग से प्रेरित करना। नेतृत्व प्रबन्ध का एक भाग है। अच्छा नेतृत्व एक ऐसी शक्ति है जो संस्था तथा कर्मचारियों की सुप्त क्षमताओं को जागृत कर देता है और उन्हें एक दिशा में समन्वित तथा प्रकाशित करके चमत्कारिक परिणामों को प्राप्त करने में मदद करता है। सामान्यतः नेतृत्व की यह अभिव्यक्ति चुनौती पूर्ण परिस्थितियों में अधिक दृष्टिगोचर होती है।

उपर्युक्त परिभाषाओं का अध्ययन करने पर यह ज्ञात होता है कि नेतृत्व एक दी हुई स्थिति में लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में किसी व्यक्ति या समूह के प्रयासों को प्रभावित करने की प्रक्रिया है।

Vijant Kumar Mishra
Asst Professor (Guest faculty)
Dept of Sociology.
12/6/2022